## 7. MEDIA COVERAGE

"…. It has been stated that DIT has developed a series of software tools to fonts in various Indian Languages and would release it for free public distribution. DIT has also decided to bring about language computing Technology revelation in the country….."

**-UNI -**

" … It has been stated that DIT has collected all the basic software tools and fonts in Hindi available among private and public players and is offering them free on a CD and through downloads to consumers. DIT's Minister also stated that this would also help in linking people through Indian languages technology …"

**-The Economic Times -**

"…. It is stated that DIT launched a CD which includes basic software tools and fonts in Hindi and this CD would be distributed free of cost to the public. DIT's Minister also stated that this distribution of fonts and others software tools would unleash creative capabilities of the people in the country.

**The Financial Express –**

" ….. It has been stated that DIT would make available free software tools & fonts in various Indian languages to the public distribution upon registration on the designated website …. "

**-Science News –**

"…. It has been stated that the DIT will launch free Hindi software tools and fonts to the use of local Language software for taking it to the masses … "

**Business standard –**

" … Advisory council Chairperson Sonia Gandhi yesterday released a set of Hindi software tools and

fonts in a compact disc for free public distributions. This CD & Tools have been developed by the centre for development of advanced computing (CDAC), an autonomous society under the department of Information technology, Ministry of Communications and Information technology. Asserting that the CD would fulfill Rajiv Gandhi's dream to make India computer savvy Gandhi described it as a step forward in information technology…."

**Maharashtra Herald –**

"…. Union Communication and IT Minister Dayanidhi Maran said his department would release software and tools in all Indian languages…"

**The Indian Express –**

"…. The department of Information technology (DIT) has been asked to hasten the development of local language software so that all computers sold in the new year are preloaded with Indian language … "

**The Telegraph –**

"…. यह कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने निशुल्क हिन्दी सॉफ्टवेयर टूल्स व फॉन्टस उपलब्ध करवा कर भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कम्प्यूटर क्रांति के सपने को साकार कर दिया है। …."

**- संध्या टाइम्स –**

"…. यह कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी वि भाग ने ओ .आर जी तकनीकी का प्रयोग कर भाषाई अंतराल की समस्या को समाप्त कर दिया है तथा भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर टूल्स व फॉन्टस निशुल्क उपलब्ध कराने से कम्प्यूटर साक्षरता को बढावा मिला है ….. "

**- हिन्दूस्तान –**

"… यह कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी विभा ग निर्दिष्ट वेबसाइट पर रजिस्ट्रर्ड लोगों को निशुल्क हिन्दी सॉफ्टवेयर टूल्स व फॉंट्स उपलब्ध कराएगा …. "

**- अमर उजाला –**

" … यह कहा गया है कि उ . प्र, म. प्र, हरियाणा बिहार सहित नौ हिन्दी भाषी राज्यों में सूचना प्रौद्योगिकी को जन- जन तक पहुंचाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, हिन्दी सॉफ्टवेयर टूल्स व फान्ट्स का निशुल्क वितरण करेगा … "

**दैनिक जागरण –**

" …. यह कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 525 फॉंट्स तथा इसके सॉफ्टवेयर की सी डी जारी करके तथा इसके मुफ्त वितरण से देश के लोगों के लिए संभावनाओं की शुरुआत कर दी है। … "

**- पंजाब केसरी –**

" … यह कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन कार्यरत स्वायत संस्था सी- डेक ने आम आदमी के बीच कम्प्यूटर को उपयोगी बनाने की दिशा में मातृभाषा में सॉफ्टवेयर व टूल्स वाली सी डी तैयार की है जिसको मिल का पत्थर माना जा रहा है … "

**- नवभारत टाइम्स –**

" … यह कहा गया है कि तत्कालीन टूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दयानिधि मारन ने महसूस किया है कि रोजमर्रा जीवन में प्रयोग को जाने वाली भाषाओं को समझने के लिए स्थानीय अंग्रेजी व अन्य भाषाओं की तर्ज पर भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर तैयार करें। इस कार्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग प्रयास करेगा। … "

**- पंजाब केसरी -**

" …हिन्दी है हम, वतन है हिदोस्ता हमारा का सपना सोमवार को उस समय साकार होता दिखा जब राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने डी आई टी के अधीन सी- डैक द्वारा विकासित हिंदी सॉफ्टवेयर और फॉन्ट को कॉमन मैन की झोली मे डाल दिया … "

**- अमर उजाला-**

"सोनिया गांधी से सीडी ग्रहण करने के बाद हिन्दुस्तान की संपादक मृणाल पांडे ने सी- डैक की

इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हिन्दी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में उ पलब्ध कराई गई भाषा और फॉट्स टूल्स ने भाषाई भेदभाव की दीवारें तोड़ दी है। उनका कहना था कि भाषा की खाई खत्म हो जाने के बाद दूसरे भाषा भाषियों के बीच संवादहीनता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होने कहा कि देश की आबादी में बमुश्किल एक प्रतिशत महिलाएं ही अंग्रेजी का ज्ञान रखती है। विभिन्न भाषाओं में सॉफ्टवेयर के विकसित होने के बाद महिलाएं अपना अधिकार जान सकेंगी और उन्हें शिक्षित होने मे यह सामग्री सहायक साबित होगी। उन्होने वेद की रचना का हवाला देते हुए कहा कि प्रचीन काल मे वेद का ज्ञान प्राप्त करने की सीमाएं तोड़ दी है। ... "

- **हिन्दुस्तान –**

गांधी ने इसे राष्ट्रीय कर्तव्य बताते हुए कहा कि व्यक्ति अपनी प्रतिभा का विकास अपनी प्रतिभा का विकास अपनी भाषा से सब से अच्छे तरीके से कर सकते है। एन ए सी प्रमुख ने सी- डेक के भारतीय भाषा डाटा केन्द्र के इस प्रयास को सूचना प्रौद्योगि की क्षेत्र मे प्रगति की दिशा मे एक और कदम बताते हुए कहा कि इससे सबसे बड़ी खुशी राजीव गांधी ने 80 के दशक में अमेरीका द्वारा भारत को के सुपर कंप्यूटर देने ने इन्कार किए जाने पर इस प्रौद्योगिकी को देश मे ही विकसित करने का संकल्प किया था। ... "

**अमृत वर्षा -**

" .... यह प्रकाशित हुआ है कि सूचना प्रौद्योगिकी का फायदा आमजनता तक पहुचाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष व रा0 प0 परि0 की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सूचना प्रौद्यो गिकी विभाग के अधीन कार्यरत सी-डेक के प्रयासों की प्रशांसा की है जिसके तहत हिन्दी सॉफ्टवेयर व टूल्स की निशुल्क सीडी वितरित की जाएगी। .... "

**वीर अर्जुन -**

" ..... यह प्रकाशित हुआ कि संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दयानिधि मारन ने यह जानकारी दी है कि सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन कार्यरत सी-डेक जल्द ही सभी 22 भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर उपकरण और फॉट्स विकासित करके उनको निशुल्क उपलब्ध करवाएगा। ... "

- **दैनिक ट्रिब्यूट -**

संचार एवं सूचना मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सॉफ्टवेयर के निशुल्क वितरन की प्रशांसा करते हुए दैनिक भास्कर के निदेशक गिरीश अग्रवाल ने कहा कि निश्चित रुप से इससे प्रिंट मीडिया को फायदा पहुंचेगा। उन्होने कहा कि दूर- दराज के क्षेत्रो से खबर भेजने वाले पत्रकारों को अब फान्टस की समस्या से नही जुझना पडेगा।

- **दैनिक भास्कर -**